Date

15/05/2020

Subject - Peace Education and Continuous Development

Topic - Philosophical Thinking And Peace

D.El.Ed

4 th sem.

Indian Philosophy

भारतीय दर्शन

भारतीय दर्शन से तात्पर्य है - सत्य के स्वरूप का अनावरण करना

भारतीय दर्शन का उद्देश्य ब्रह्मादर्शन या आत्मदर्शन है। भारतीय दर्शन का आधार आध्यात्म है। इसी कारण भारतीय दार्शनिक चिन्तन की सभी धाराएं आध्यात्म से ही प्रस्फुटित होती है। भारतीय संस्कृति अत्यन्त प्राचीन एवं सनातन है। भारत की आदिकालीन शिक्षा को ही जो वेदो पर आधारित है वैदिक शिक्षा कहा जाता है जो विश्व की अमूल्य धरोहरों मे सम्मिलित है। वैदिक शिक्षा का आधार - ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद, अथर्ववेद है जिनमे ऋग्वेद सबसे प्राचीनतम वेद है।

भारतीय दर्शन की विशेषताएं

1. भारतीय दर्शन "सैद्धान्तिक व बौद्धिक" के साथ-साथ अनुभवात्मक एवं व्यावहारिक भी है।
2. आध्यात्म भारतीय दर्शन का प्राण है व धर्म आचरण एवं शुद्धि इसका व्यवहारिक रूप है।
3. भारतीय दर्शन का लक्ष्य मुक्ति है।
4. भारतीय दर्शन समस्त जगत को सर्वमान्य एकता 'वसुधैव कुटुम्बकम' मे बांधता है।

Scanned with CamScanner

5 => भारतीय दर्शन मे चार पुरूषार्थो (i) धर्म, (ii) अर्थ, (iii) काम (iv) मोक्ष, निहित है।

6 => भारतीय दर्शन पश्चिमी सभ्यता के आदर्शवादी दर्शन से मिलता है।

7 => भारतीय दर्शन कर्म को महत्व देता है।

भारतीय दार्शनिक व्यवस्था

भारतीय दार्शनिक व्यवस्था

- नास्तिक दर्शन
  - जैन धर्म
  - बौद्ध धर्म
- आस्तिक दर्शन
  - सांख्य दर्शन
  - योग दर्शन
  - वेदान्त दर्शन

Continue ----

Scanned with CamScanner